प्रसार भारती
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी रायपुर (छत्तीसगढ़)
प्रादेशिक समाचार बुलेटिन

19.10 गुरूवार **दिनांक 04.09.2025**

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>

आज के मुख्य समाचारः–

1– जीएसटी परिषद ने वस्तु और सेवा कर सुधारों की घोषणा की–दैनिक उपयोग की वस्तुएं होंगी सस्ती–नई दरें बाईस सितंबर से होंगी लागू।

2– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी सुधारों की सराहना की–कहा, इससे आम आदमी, किसानों, एम.एस.एम.ई., मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को लाभ मिलेगा।

3– लुत्ती बांध टूटने की घटना के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में जाकर सभी बांधों का निरीक्षण करने के दिए निर्देश।

4– राज्य शासन ने हड़ताल कर रहे पच्चीस एनएचएम कर्मचारियों को बर्खास्त किया–शासन के इस कदम के विरोध में आज एनएचएम कर्मचारियों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन किया।

अब समाचार विस्तार से .....

<u>जीएसटी परिषद</u>

जीएसटी परिषद ने वस्तु और सेवा कर सुधारों की घोषणा कर दी है। आम आदमी, श्रम–प्रधान उद्योगों, किसानों और कृषि, स्वास्थ्य तथा अर्थव्यवस्था के लिए जीएसटी दरों में सुधार करते हुए उन्हें युक्तिसंगत बनाने को स्वीकृति दी गई है। नई दिल्ली में कल मीडिया को जानकारी देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आम आदमी और मध्यम वर्ग के उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी अट्ठारह तथा बारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नई दरें बाईस सितंबर से लागू होंगी।

वित्त मंत्री ने तैंतीस जीवन रक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी को बारह प्रतिशत से घटाकर शून्य तथा कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी को पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया है। अन्य सभी दवाओं और औषधियों पर जीएसटी बारह प्रतिशत से कम कर पांच प्रतिशत किया गया है।

वित्त मंत्री ने बताया कि एसी, बत्तीस इंच से बड़े टीवी, डिशवाशिंग मशीन, छोटी कारें और मोटरसाइकिल जैसी वस्तुओं पर जीएसटी दर अट्ठाईस प्रतिशत से घटाकर अट्ठारह प्रतिशत कर दी गई है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि श्रम–प्रधान उद्योगों और किसानों तथा कृषि क्षेत्र को भी इन फैसलों से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि सभी कृषि उपकरणों पर जीएसटी बारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया गया है। परिषद ने अप्रत्यक्ष कर ढांचे को युक्तिसंगत बनाते हुए बारह प्रतिशत और अट्ठाईस प्रतिशत की दर को समाप्त करके वर्तमान चार स्लैब को घटाकर दो कर दिया है, जबकि पांच प्रतिशत और अट्ठारह प्रतिशत की स्लैब को जारी रखा है।

<u>जीएसटी–प्रधानमंत्री / मुख्यमंत्री</u>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी दरों में किए गए सुधारों की सराहना की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से आम आदमी, किसानों, एम.एस.एम.ई., मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को

लाभ होगा। उन्होंने कहा कि ये सुधार सभी के लिए खासकर छोटे व्यापारियों, व्यवसायों और व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जीएसटी सुधारों का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय भारत की कर प्रणाली को आम लोगों के लिए अधिक सरल और उद्योग–व्यापार के लिए प्रोत्साहनकारी बनाएगा। श्री साय ने कहा कि आयकर में बारह लाख तक की छूट देने के बाद अब जीएसटी दरों में की गई भारी कटौती से रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएं, खेती–किसानी के उपकरण, खाने–पीने की चीज़ें, दवाइयां, शिक्षा सामग्री, मनोरंजन की वस्तुएं, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सस्ते होंगे। वहीं, कई आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स दर शून्य कर दी गई है, जिससे नागरिकों के जीवन में सीधा लाभ पहुंचेगा।

जीएसटी–प्रतिक्रिया

जीएसटी दरों में किए गए सुधारों का राज्य के उद्योग और व्यापार जगत ने स्वागत किया। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि इससे व्यापारियों को बहुत राहत मिलेगी

वहीं, कॉन्फ्रेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी ने भी इस इस फैसले का स्वागत किया गया है।

एनएचएम–बर्खास्त

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–एनएचएम कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल के प्रति राज्य शासन ने सख्त रूख अपना लिया है। कल स्वास्थ्य विभाग ने हड़ताल कर रहे एनएचएम के पच्चीस अधिकारियों–कर्मचारियों

को बर्खास्त कर दिया। शासन के इस कदम के बाद आज एनएचएम कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन और उग्र हो गया। राज्य के कई जिलों से एनएचएम कर्मचारियों द्वारा शासन के इस निर्णय के विरोध में सामूहिक इस्तीफा भी देने की खबर है। विभिन्न जिलों में एनएचएम कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करने के साथ ही रैली निकाली तथा मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बर्खास्तगी की कार्रवाई एक विभागीय कार्रवाई है, जो भर्ती नियमों के तहत की गई है।

गौरतलब है कि नियमितीकरण सहित अपनी सूत्रीय दस मांगों को लेकर एनएचएम कर्मचारी बीते अट्ठारह अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन कर्मचारियों को काम पर लौटने के लिए नोटिस भी जारी किया गया था, लेकिन इसके बावजूद कर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी है। इस हड़ताल की वजह से राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हो रही हैं।

वहीं, मितानिनों ने भी नियमितीकरण और वेतन वृद्धि सहित अपनी मांगों को लेकर आज नवा रायपुर में प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में विभिन्न जिलों से आई मितानिनों ने हिस्सा लिया। कुछ मितानिनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्काजाम करने की भी कोशिश की। मितानिनों के इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए नवा रायपुर में पुलिस प्रशासन द्वारा कड़े इंतजाम किए गए थे।

बारिश/शव बरामद

कोरबा जिले में पिछले दो–तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण चाकाबुड़ा से देवरी जाने वाला मार्ग में पुल का एक हिस्सा टूटकर बह गया है। वहीं, दीपका से चकोरा जाने वाली सड़क पर बना पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके कारण इन दोनों ही मार्गों पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है।

किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम लोगों से इन मार्गों का उपयोग नहीं करने की अपील की है। फिलहाल वैकल्पिक मार्गों से आवाजाही करने की सलाह दी गई है।

इस बीच, बलरामपुर जिले के धनेश्वरपुर स्थित लुत्ती–सढ़सा बांध के टूटने की घटना में बचाव दल ने एक और शव बरामद किया है। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर अब पांच हो गई है। वहीं, दो लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश एनडीआरएफ की टीम द्वारा की जा रही है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हरसंभव मदद पहुंचाने की बात कही है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात लुत्ती स्थित यह बांध भारी बारिश की वजह से टूट गया था, जिसके कारण दो मकानों में रहने वाले परिवार इसकी चपेट में आ गए।

इस बीच, मौसम विभाग ने कल प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज–चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना व्यक्त की है। वहीं, एक–दो स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री–निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलरामपुर–रामानुजगंज जिले में स्थित लुत्ती बांध के टूटने की घटना पर गहरी नाराज़गी व्यक्त की है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की गलती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री साय ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि मैदानी अधिकारी और कर्मचारी फील्ड में जाकर नियमित निरीक्षण नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण यह स्थिति बनी है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतत रूप से फील्ड में जाकर बांधों सहित अन्य संरचनाओं का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री–करमा तिहार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी कंवर समाज द्वारा आयोजित प्रकृति पर्व करमा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करमा तिहार के दिन करमा पेड़ की डाल को सम्मान के साथ स्थापित कर उसकी पूजा की जाती है।

कार्यक्रम को वन मंत्री केदार कश्यप ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर करमा दलों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

और अब कुछ समाचार संक्षेप में ...

– राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने ईद–ए–मिलाद–उन–नबी अवकाश को लेकर संशोधित अधिसूचना जारी की है। इसके अनुसार पहले घोषित छह सितंबर के स्थान पर अब कल पांच सितंबर को सार्वजनिक और सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, छह सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर्व के अवसर पर घोषित ऐच्छिक अवकाश यथावत् रहेगा।

– राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान–एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप को तेरह सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित चौथे भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन में राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में एनआईटी रायपुर–एफआईई के उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है।

– संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन तथा संस्कृत के शिक्षकों को हो रही समस्याओं के निराकरण के लिए रायपुर में सात सितंबर को संस्कृत शिक्षक महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>